

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 11 जून, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु उद्योग विभाग के अवचनबद्ध मदों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1795/VII-2/69 उद्योग/2006 दिनांक 13 मई 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उद्योग विभाग उत्तराखण्ड हेतु 03 अधिष्ठान व्यय के अन्तर्गत अवचनबद्ध मदों में 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान हेतु ₹0 2.00 लाख तथा 42-अन्य व्यय हेतु ₹0 1.50 लाख अर्थात् कुल ₹0 3.50 लाख (₹0 तीन लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त धनराशि आपके प्रस्तावानुसार अवचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है व आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि विभाग को उनकी माँग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

4- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- स्वीकृत धनराशि का उपयोग दिनांक 31-3-2009 तक कर लिया जायेगा। धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण प्रशासनिक विभाग / वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जायेगी। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जाय।

6- उपकरण/फर्नीचर आदि का क्रय डी0जी0एस0एण्ड डी0 की दरों पर अथवा टैण्डर/कुटेशन के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ही किया जायेगा।

7- कम्प्यूटर आदि का क्रय एन0आई0सी0/आई0टी0 विभाग की संस्तुति से अथवा उनके द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।

8 उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनेत्तर 102-लघु उद्योग, 03-अधिष्ठान व्यय-00-के अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:159/XXVII(1)/2008 दिनांक 05 जून, 2008 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा0 हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2318(1)/VII-2- 69 उद्योग/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

9. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी।
11. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
12. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
13. वित्त अनुभाग-2,
- ✓ 14. निदेशक एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
15. उप निदेशक/नोडल अधिकारी (बजट) उद्योग निदेशालय।
16. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(डा0 हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।